

वासीने था भोग या ब्रह्म ज्ये थ सु क वार सु क्र प ३
सुतमी ख न ब्रह्म संवत दोरी पानरी न कर
ली रखी त धन मा पा त

आशा श्रुतार्थ	
३९८	I

AC. 100. 100. 100.

जादिकान्तं सदायक ॥ ॐ अकारमसूखसर्वधर्मानां माद्युनस्य
नन्वाहामगिमहाकृतिनिः ॐ मावसिगृह्णगृह्णसर्वधर्मानि
कृन्तुः आचमनं पुनिकृत्वा ॥ स्नानवाच ॥ ॐ ॐ व्याय स्वाहा
॥ ॐ ऊमाय स्वाहा ॥ ॐ वनूषाय स्वाहा ॥ ॐ कृष्याय स्वाहा ॥
ॐ अग्नेय स्वाहा ॥ ॐ नेमस्य स्वाहा ॥ ॐ वायुय स्वाहा ॥ ॐ ॐ
मानाय स्वाहा ॥ ॐ उर्ध्ववक्त्राय स्वाहा ॥ ॐ सूर्याय स्वाहा ॥ ॐ ॐ

पतम स्वाहा ॥ ॐ चन्द्राय नक्राधियगय स्वाहा ॥ ॐ अर्धय
थिय स्वाहा ॥ ॐ असुराय स्वाहा ॥ ॐ क्षत्राय स्वाहा ॥ ॐ
सर्वदिगिदिगिनाकयानाय स्वाहा ॥ पूजामासा दुग्धा
ॐ ॐ व्यायामहामासाकयानामहधिकाः दगदिशुक्ति
मादिना साकयाननमामिह ॥ समयवाच ॥ नैवद्यवटनः
सूर्यकं स्वाहा ॥ अस्मन्निगं वनूषगंधनसाय नददामि

यमिगुक्रतां॥ ह्रूंकासंयत्रमयडाः ह्रूंकासंसिद्धिहांजनंः ह्रूं
कानंरुवगुन्यः ह्रूंकाजायह्रूंकानंनुनमास्तुत॥ **महविद्य**
ॐदियायंसर्वदिक्कातंःदिव्यकासागमयहंः॥ **धरव्यामि**
यमंसातंसर्वज्ञानंयगीधय॥ **रुधमा रुमायन॥** ॐवः
रुसत्यस्यमनूयामयःवरुसत्यमनायदिष्टृष्ट्वाभरुव
स्वास्त्याभामरुवःअनकम्मस्वास्त्याभामरुवःसर्वसिद्धिः

मययकः सर्वकर्मसु समचिरं ग्रयंकुनः ॐ ह ह ह ह हः
गयनः मामकिमकुर्यकिरय मामः समयसत्त्व आ ॥ मधु
जदि ग्रनयाय ॥ ॐ ग्रीनचन्दन ध्यानं ककनः कसमाः
ककः वधिंसिद्धिदत्ता ॥ यथानगाः यथैयगमनाय सिद्धिं
दत्ता ॐ आ हूँ ॥ हूँ आ ॐ ॐ आ हूँ गकगक धं वक्रमसुलं
यथानगमनं विग्रन ॥ स्वां विधं मधुसूक्तया उः विधं क

य॥ **ॐ** **॥** **गुण** **॥** **धनसिद्धमन्त्र** मस्तु न स ग या ॥ **आ** यः
या य॥ **आ** यः स्नान दाय॥ **रु** ग व न ग्री म ट ग्री ३ च क स म्ब न य ऊ
वा ना हि द अ द वि रु द न क स्यः **आ** त्मा न नि यो ग या मि हूँ ॥ **ऊं**
न्य कू मा ऊ ति ना र्थ व ऊ य ष्यं यु ति रु स्या हा ॥ **उं** **आ** य स त्व रु ग
व न वि श्या ना ऊः क न उ मि स्ता म्प हं मा र्थः म स्तु न क नू ना त्म कः
सि श्या ना म न क या यः य ष्या कं य ऊ ना था यः न क म रु ग न स्य

अ य म स रु सं क्रि य उ व न य द ॥ स र्व वृ द्ध नि यो ग या म्प हं ॥
स्व हा व **स** **स्वा** ॥ या ना र्थ ॥ **उं** **रु** ग वं ग्री म ट ग्री ३ च क स म्ब न य
ऊ वा ना हि द अ द वी रु द न क स्य या या च मे ना अ र्ध यु ति रु स्या
हा ॥ **स्नान वा य** ॥ **उं** **ज** कि नि य स्वा हा ॥ **उं** **आ** मा य स्वा हा ॥ **उं**
खं **स्तु** **आ** हा य स्वा हा ॥ **उं** **नृ** पि नि य स्वा हा ॥ **उं** **व** ऊ क मा न का य
स्वा हा ॥ **उं** **स** म य क मा ट का य स्वा हा ॥ **उं** **वि** ग म य क मा ट का य

मय कङ्कानासासनकमायनमः० हूं नमः० गं हूं नमा २ रुक्का हंत्वा
नमस्यामिगुननार्थयसिद्धम॥ ॐ नमः० ग्रीगुनवक्रसंत्वाय॥
कुसाकाद्यानमः० गगनसमगगं० सर्वरावस्वरावः० गृहः
सान्त्वयिषि० स्वयमहिमं० यदकारिना नानिषिकर्णकम
न॥ विराननं वृद्धं नंदिवसकनत्वं० धनासा सयानिदू सध
मिहचाननयं० सिनसिवनगनं मङ्गवायं यग्रां० यनसा

हस्तदधुनयं० कृतसयिकयूयं विज्ञानज्ञाननयं० निदिन
रुडा रुयं ग्रीययमकिनमामिदू॥ ॐ नमः० ग्रीगामम्यः
रायः० गामम्यमं गं नार्थं० गुनवादे रुसदा सधसुख
कृत्य ग्रीगामम्यमं नमस्तु ग॥ ॐ नमः० ग्रीविद्यलक्ष्मिना
यः० कृतं म्वायनमंदडाः० कार्यसिद्धिविभयकः० ग्वहाला
नूपसंयन्तः० दहिमसुखसंयदा० गम्भानागक्षयनिवेदः० ग

दायनी ॥ ॐ नमः श्रीगान्धर्वनिदधोः निरुति संव निनाहा अक्र
 ए संव संधि निरुग म्मा हत्वा महं वाक् ॥ अक्रयां एमा मकिः
 यनमं भवती ॥ ॐ नमः श्रीगान्धर्वनिदधोः निरुति संव निनाहा अक्र
 वे स्वा नना महं वदः सध संधु निदायकं ॥ ॥ दानय निरुः
 रुमानस्यः अमनामध्वस्य ॥ आय अमा ए ॥ ॐ भवमर्यादिगु
 हरुन संधा फिका न नार्थी ॥ हरुग वंशी मठ ग्री ३ संयूः कनसा

भानः सध्वं ग्रीकागं म्वन हान गधमीः ग्रीकागं सः सहां कात्र ग्री
 वसंधाः शांयं च (गमागः) शांनक्रिः अऊनः वऊवा नादिव
 सतिः वं भाननः सकन दव गारु दान कस्यः पूष्या साहन यूजा
 वन कर्म क्रिया कात्र नार्थः वऊवा यायायः न हस्य मभुनं समा
 दित ॥ **अऊमात्र या कथागुः** आदि स्वांन काय धमभुन विगुऊन
 याक ॥ ॥ **यन समाधि दन ॥** ॥ **वागुमस्तु सर्वदा ॥**

या अकि न न स्यात् ॥ दान यो मित्रं मां न स्याः अमु क न म
 धस्यः आय आ भा र्ग भव न य्या दिसु ह रु न सं यो । यो का
 न नार्थः आदि द्या दि न उ ग ह सा मि का न नार्थः स च मा ३
 गः स च व्याधिः स च गृह ग । नि का न नार्थः ह्य गा ह्य ग य
 च क स च व्याय मा च नार्थः नाना व्याधिः नाना क यः नाना द
 खः सं क य द्र व रु य मा च नार्थः ना रु चो ना द का मि नः वि व

कः गङ्गा रुद्रादिः पञ्च कुलः द्रुहः अष्टमहात्म्यमात्रना
थः ॥ ६६ ॥ रुद्रमोनि मुखसंयक्तिः यमपुत्राङ्गुस्वाङ्गित्यादिः
कामनार्थः संगसायिङ्गनाः जामनिः उदकासिद्धादभाः सां
क्तिकामनार्थः आदिन्यसामः अंगमः वृद्धः वृद्धस्य निः गुः
कः गङ्गा निम्बमन्त्राद् यकः नडाग्रहः गङ्गा किकामनार्थः ना
नावातिर्यथायानः नारुपा किकामनार्थः सूयर्ध्वनध्व

न्यादिः यमिपूम्भरुत्तया किकामनार्थः धर्मार्थकाममाः
कुरुत्तया किकामनार्थः ॥ एगवङ्गीसङ्गी ग्रीजमकदव
गारुहानकायः यस्यामोहनयूजा कम्म क्रिया कामनार्थः
॥ ६७ ॥ यस्यामोहनयूजा कम्म क्रिया कामनार्थः
य्याङ्गा किकामनार्थः ॥ ६८ ॥ यस्यामोहनयूजा कम्म क्रिया कामनार्थः
य्याङ्गा किकामनार्थः ॥ ६९ ॥ यस्यामोहनयूजा कम्म क्रिया कामनार्थः
य्याङ्गा किकामनार्थः ॥ ७० ॥ यस्यामोहनयूजा कम्म क्रिया कामनार्थः

निर्मितं

[illegible]

ह्यचं चं नमः॥ स्तुतिस्तुति॥ ॐ वन नमः किं यूप्यं नमः॥ किं माः
 तनः॥ ॐ नागया एम मका निग्यं नमः मा मा महावनः श्रीगमक
 उविका उः श्रीवमः एयन मा स्तुति॥ नमः श्रीगमः किं यिकया उमा
 हांय सकृदिक॥ माः कलं नमः मलुन महायक॥ ॐ उथा हि मा गः
 मा नन सनायि मा किः सुधं दयन वा निनां सर्वं गथा गनः अकिध
 कस्मय श्रीगमः॥ मा मा महाय॥ नमः न्वचाया यगः रुनयि यो

अमय॥ॐ गरुसं (ग) धन स्वाहा॥ॐ कीं अममं क्रि उं ग स्वाहा॥
ॐ की दय स्वाहा॥ॐ स च न धा ग न का य वि ग्व ध न स्वाहा॥ॐ या
न पू न ऊ न अ र्च य मि रु स्वाहा॥ॐ न मा रु ग व न य य क उ ना का
य न धा ग ना या अ न हं न सं म्प स न स्वाहा॥ न य धां॥ॐ य य २ न
हा य यः स य यः य यः रु व य यः व कि न स्वाहा॥ **नां ग अ य**
अ वा ह न स थ मि न॥ॐ आ हूं ३ हूं आ उं॥ शि का रा धि स्तानाः॥

ॐ स र्व या य न य न हूं॥ शि ध व र्ज आ स न स्वाहा॥ मि न ख वि रु ख न
स्वाहा॥ **वि** सि न स क य॥ **सि धं** क स थि यो उः आ स न या य॥
न म भु न स मि का उ य न न मि य॥ॐ म नि ध नि व र्ज नि म हा य मि
स नः न क २ मा हूं रु ठ स्वाहा॥ **नां** **कि नं** स म भु न स हा य का उ
न य॥ॐ य नं का न स र्व वि द्वा का न व र्ज ह मि व र्ज न क स स थः
स र्व न धा ग न अ धि य उ हूं स्वाहा॥ **नां** **ना नं** म भु न क य यः

अकया॥ उं दानं लामय जं म्य ना थं सदिगंगा सं च समा कृतं ॥
क्रान्तिं द्रुयि यिदि काय नं त्य न विर्यो क्रिया स्थाय नं ॥ ध्यानं
मल्ल नं म क विरु क न शं य झा स न खा क ना ॥ ७ ॥ ना या न मि ना
य उ व र क रु त्वा म नि म धु सं र व न्दुः क न क व र्धुः स च ना ए
विम कं स न म नू क वि ए यं त्वे व द्वा फि का मि ॥ ध न क नः
क स न्धः का य न ना क व र्णः स ग न व न ग ह सिं का य कं माः

निरुत्वा उं गु ल ख र स च क था ग अ धि मि य उ दू स्वा हा ॥ **सां न क**
या अ ना हा य य के ॥ उं व न्दा क वि म न स्वा हा ॥ **सा हा न वा य** ॥ उं अ
व मं य मि रु स्वा हा ॥ **ध्यान** ॥ उं म न्ता धि ष्ठा न ह मि म धः सं का ना
दि त्व उ वि क सं ज्ञा नं वा म अ मि क सा वं धि म ज्ञा य मि मूं का न न स
न म धु नः उं न ल्प सि ह स न र्ति गं य क्त च त्व क धि ह क्त न क मू खं
गु क व र्धु व र्ज र च म्भ ध नः वि वि ज्ञा न नं ह वि कं मि मि वि

वन्नधामिभं नीमर्षः अक्राखाचक्रं रगवतं युनयक्रसत्य
हृद्यनकायपाद्यायमेना अर्घ्ये निरुखादा ॥ **क्राकि कायुवा**
वाय ॥ ॐ रुद्रं वा रुद्रं मधुनयुषां दास ॥ **स्वानवाय** ॥ ॐ ४ ह म (ध्व)
मन्नयनमः ॥ ॐ क्रोम (ध्व) मन्नयनमः ॥ ॐ संसु मन्नयनमः ॥ ॐ
यंयुर्वविदहायनमः ॥ ॐ नरुंयुद्धीयायनमः ॥ ॐ संयुयन्न (ग)
अवमियायनमः ॥ ॐ वंडरुनकूनयनमः ॥ ॐ याउयदियायन

मः ॥ ॐ संउयदियायनमः ॥ ॐ साउयदीयायनमः ॥ ॐ याउय
दियायनमः ॥ ॐ यः कगरुनलायनमः ॥ ॐ सयुनयन्नलायन
मः ॥ ॐ नजग्धन्नलायनमः ॥ ॐ वस्तिन्नलायनमः ॥ ॐ या ४ ख
अन्नलायनमः ॥ ॐ याचक्रनलायनमः ॥ ॐ सामनिन्नलायन
मः ॥ ॐ वासवनिधनायनमः ॥ ॐ अर्द्धचन्द्रायनमः ॥ ॐ या ४
शुयायनमः ॥ ॐ ग्रीवक्रसत्यगुनयनमखादा ॥ ॥ ॐ वक्रं

अन

मन्त्रपुत्रावात्यनिकत्रयद्वजतांश्वकाभायस्यकनाविस्तदगः
सवितासमवेःकस्तेनमस्कृतंशुभ्रलसंकनोयनमः॥ॐ नमा
बुद्धायोशित्यायिसननंनमः॥सवबूधनमस्यामिःधम्मकरि
नगधिकंःसंघसमिहसंयत्तःमन्त्रकयनमास्तु॥मन्त्रकयः
मन्त्रनःमर्चयन्तिदिमसयःअनमूदिऊगनयूधःबूधवाधो
उधमनःउधवाधोसन्ननगयामिःबूधधम्मगनाकमःबूधवि
उधवन्नमाधम्मोयःनानधनमासंयायःमहम॥४ वादि

पा ३ मं वृत्त

मन्त्रावात्यनिकत्रयद्वजतांश्वकाभायस्यकनाविस्तदगः
सवितासमवेःकस्तेनमस्कृतंशुभ्रलसंकनोयनमः॥ॐ नमा
बुद्धायोशित्यायिसननंनमः॥सवबूधनमस्यामिःधम्मकरि
नगधिकंःसंघसमिहसंयत्तःमन्त्रकयनमास्तु॥मन्त्रकयः
मन्त्रनःमर्चयन्तिदिमसयःअनमूदिऊगनयूधःबूधवाधो
उधमनःउधवाधोसन्ननगयामिःबूधधम्मगनाकमःबूधवि
उधवन्नमाधम्मोयःनानधनमासंयायःमहम॥४ वादि